EOW की टीम ने नपा में की 4 घंटे पड़ताल, घोटालेबाजों पर जल्द होगी कार्रवाई: मोहोड़

विधायक स्वेच्छा अनुदान राशि वितरण में घोटाले के आरोपों की जांच हुई तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

मध्य प्रदेश के सौंसर विधानसभा क्षेत्र में 'स्वेच्छा अनुदान' निधि के कथित दुरुपयोग और बंदरबांट का मामला अब गंभीर मोड़ पर पहुंच गया है।

सोमवार को ईओडब्लूआर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो की टीम ने अचानक नगर पालिका परिषद सौंसर पहुंचकर संबंधित फाइलों को खंगाला और मामले से जुड़े लोगों से गहन पूछताछ की। इस कार्रवाई से स्थानीय राजनीतिक गलियारों में हड़कंप मच गया है।

बीते कुछ समय से सौसर विधायक विजय चौरे पर स्वेच्छा अनुदान की राशि को अपने परिजनों, चहेतों और शुभचिंतकों को नियमों को ताक पर रखकर वितरित करने के आरोप लग रहे थे। जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहड और स्थानीय भाजपा नेतृत्व ने इस संबंध में साक्ष्यों के साथ ईओडब्ल्यू में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी।

आरोप है कि सरकारी धन का लाभ अपात्र लोगों को पहुंचाया गया, जिससे सरकारी खजाने को नुकसान हुआ है। जबलपुर से पहुंचे ईओडब्ल्यू के पुलिस अधीक्षक मनजीत सिंह के नेतृत्व में पहुंची टीम ने सोमवार को नगर पालिका परिषद में लगभग 4 घंटे तक डेरा जमाया। टीम ने स्वेच्छा अनुदान प्राप्त करने वाले हितग्राहियों, संबंधित दुकानदारों और विधायक कार्यालय से जुड़े लोगों से आमने-सामने पूछताछ की। सूत्रों के अनुसार, टीम ने

शुरू हो गया राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

इस कार्रवाई के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। भाजपा नेता राहुल मोहड ने इसे भ्रष्टाचार के विरुद्ध अपनी पहली जीत करार दिया है। उन्होंने दावा किया कि ₹यह तो मात्र शुरुआत है, पिक्चर अभी बाकी है, घोटालेबाजों पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित होगी और जल्द ही पूरी सच्चाई सामने आएगी।

अधिकारी का बयान

ईओडब्ल्यू के एसपी मनजीत सिंह ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कहा, ₹मामले की जांच अभी प्रक्रियाधीन है। अभी तक जुटाए गए दस्तावेजों और बयानों का सत्यापन किया जा रहा है। जांच के निष्कर्षों के आधार पर ही आगामी वैधानिक कदम उठाए जाएंगे।₹फिलहाल, इस छापेमारी ने क्षेत्र में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है और सभी की निगाहें अब जांच रिपोर्ट पर टिकी हैं।

280 फीट ऊंचे बीएसएनएल टावर पर 24 घंटे से चढ़ा वीरू

- नीचे प्रशासन के फूले हाथ-पांव, भूखा-प्यासा बैठा है अज्ञात युवक
- बचाने के लिए चढ़ने वाले को सरफिरे ने लाठी दिखिकर भगाया
- पुलिस ने नीचे लगाया मजबूत रस्सियों का जाल
- छिंदवाड़ा से बुलाई गई एक्सपर्ट टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

स्थानीय तीन शेर चौक स्थित बीएसएनएल कार्यालय परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक अज्ञात युवक कल शाम से करीब 280 फीट (80 मीटर) ऊंचे मोबाइल टावर पर जा चढ़ा। पिछले 24 घंटों से यह युवक बिना अन्न-जल के भारी बारिश में टावर के सबसे ऊपरी छोर पर बैठा हुआ है। प्रशासन की तमाम कोशिशों और मिन्नतों के बावजूद वह नीचे उतरने को तैयार नहीं है, जिससे अधिकारियों के हाथ-पांव फूल गए हैं। आज सरफिरे ने उसके रेस्क्यू के उद्देश्य से टावर पर चढ रहे एक युवक को लाठी दिखाकर डराया।

समझाने गए पुलिसकर्मियों को देख और ऊपर चढ़ा

घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी ब्रजेश भार्गव, थाना प्रभारी अमित दानी, नायाब तहसीलदार मोहित गणवीर समेत भारी पुलिस बल और पटवारी रात से ही मौके पर डटे हुए हैं। सोमवार शाम को दो जांबाज पुलिसकर्मियों ने युवक को समझाने के लिए टावर पर चढ़ने का प्रयास भी किया, लेकिन उन्हें ऊपर आता देख ₹सनकी₹ युवक और ज्यादा ऊंचाई पर चला गया। अनहोनी के डर से पुलिसकर्मियों को आधे रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा।

सुरक्षा के लिए बांधा जाल, ड्रोन भी हुए फेल

युवक कहीं कमजोरी के कारण नीचे न गिर जाए या कोई आत्मघाती कदम न उठा ले, इस डर से प्रशासन ने टावर के चारों ओर जमीन से कुछ फीट ऊपर रस्सियों का एक बेहद मजबूत जाल बिछा दिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि युवक इतनी ऊंचाई पर है कि शादी या प्रशासनिक कार्यक्रमों में इस्तेमाल होने वाले वीडियो शूटिंग ड्रोन भी वहां तक पहुंचने में नाकाम साबित हो रहे हैं।

तीन भाषाओं में की गई अपील, बुलाई गई एक्सपर्ट टीम

प्रशासन ने युवक से संवाद करने के लिए लाउडस्पीकर का सहारा लिया। उसे हिंदी, मराठी और गोंडी भाषा में नीचे उतरने की कई भावुक अपीलें की गईं, लेकिन उस पर कोई असर नहीं हुआ। इतनी ऊंचाई होने के कारण उसका चेहरा साफ नहीं दिख रहा है, जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है। आखिरकार, आज दोपहर बाद छिंदवाड़ा से टावर पर चढ़ने में माहिर दो प्रशिक्षित युवकों (एक्सपर्ट्स) को रेस्क्यू के लिए विशेष रूप से बुलाया गया है।

चौक पर लगा भारी मजमा: पिछले 24 घंटों से चल रहे इस हाई-वोल्टेज ड्रामे को देखने के लिए तीन शेर चौक पर भारी भीड़ जमा हो गई है, जिससे वहां मेले जैसा नजारा बन गया है। युवक टावर पर क्यों चढ़ा और उसकी मांग क्या है, इसका खुलासा उसके नीचे सुरक्षित आने के बाद ही हो सकेगा। समाचार लिखे जाने तक रेस्क्यू ऑपरेशन जारी था।

समाजसेवी दयानंद ने मई, जून का जलकर माफ कराने क्रलेक्टर को दिया ज्ञापन

छिंदवाडाः नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा द्वारा विशेषकर शहरी क्षेत्र के कई वार्डो में विगत माह मई एवं जून में माह में मात्र 8-10 दिन ही जल प्रदाय किया गया और जल प्रदाय नहीं किये जाने के कारण वार्डवासियों को टेंकरों से एवं अन्य सप्लायरों से पानी लेने विवश होना पड़ा । क्योंकि एक ओर नगर पालिक निगम द्वारा नल बिल जो कि 175 रूपये प्रतिमाह था उसे 260 रूपये प्रतिमाह कर दिया है एवं निगम प्रशासन तो जलकर के नाम पर करोड़ों रूपये प्रतिमाह कमाई कर रहा है, वहीं शहर की जनता को मिलने वाली मूलभूत सुविधा निगम देने में नाकाम साबित हुआ है ।जिससे संपूर्ण नगर की जनता में आक्रोष व्याप्त है । क्योंकि विगत 2 माह से माह में मात्र 8-10 दिन ही पेयजल की सप्लाई हुई है, जबकि वार्डो में सार्वजनिक कुंये, हैंडपंप या नलकूप की व्यवस्था नहीं है जिससे आम आदमी अपनी प्यास बुझा सके, इसलिये आाम नागरिक को खरीदकर पानी पीना पड़ा इसलिये लिये निगम प्रशासन जबावदार है ।दयानंद ने जन सुनवाई में आवेदन देकर अवगत कराया कि नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा के अंतर्गत 48 वार्ड आते हैं, जिनमें लगभग 15 वार्ड ग्रामीण क्षेत्रों के शामिल कर लिये गये हैं जिनमें से अधिकांश वार्ड स्लम एरिया में आते हैं जहॉ निवासरत जनता अपना जीवन किसी तरह मेहनत, मजदूरी कर एक वक्त की रोटी की व्यवस्था बमुश्किल करते आ रही है।

फिक्की इंडिया सैनिटेशन कोएलिशन अवॉड्‌र्स-2026 में छिंदवाड़ा की मजबूत दावेदारी

वॉश ऑन व्हील्स प्लस के तीनों श्रेणियों के जूरी प्रस्तुतीकरण सफलतापूर्वक पूर्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिन्दवाडा

स्वच्छता एवं वॉश (जल, स्वच्छता एवं स्वच्छ व्यवहार) के क्षेत्र में छिंदवाड़ा जिले की अभिनव पहल ₹वॉश ऑन व्हील्स प्लस₹ राष्ट्रीय स्तर पर लगातार अपनी प्रभावी पहचान बना रही है। फिक्की इंडिया सैनिटेशन कोएलिशन अवॉड्‌र्स-2026 के अंतर्गत जिले का चयन तीन महत्वपूर्ण श्रेणियों में किया गया है, जिनके लिए एग्जीक्यूटिव जूरी के समक्ष चरणबद्ध रूप से प्रस्तुतीकरण दिए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि 01 जुलाई 2026 को सतत रखरखाव एवं वॉश प्रणाली के सामुदायिक प्रबंधन में उत्कृष्टता श्रेणी के लिए जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अग्रिम कुमार द्वारा एग्जीक्यूटिव जूरी के समक्ष ₹वॉश ऑन व्हील्स प्लस₹ का प्रस्तुतीकरण दिया गया था। इसी क्रम को आगे बढ़ते हुए 06 जुलाई 2026 को वॉश के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कौशल विकास पहल तथा 07 जुलाई 2026 को विद्यालयों में वॉश पर विशेष फोकस श्रेणी के लिए भी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अग्रिम कुमार ने ऑनलाइन माध्यम से जिले के नवाचार का प्रभावी प्रस्तुतीकरण किया।

तीनों प्रस्तुतियों के दौरान जूरी सदस्यों ने ₹वॉश ऑन व्हील्स प्लस₹ के प्रभावी क्रियान्वयन, जल एवं स्वच्छता परिसंपत्तियों के सतत रखरखाव, विद्यालयों में स्वच्छता सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण, कौशल विकास, नवाचार तथा सामुदायिक सहभागिता जैसे विभिन्न पहलुओं की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा जिले की ₹वॉश ऑन व्हील्स₹ पहल को वर्ष 2025 में फिक्की इंडिया सैनिटेशन कोएलिशन द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। इसी सफल मॉडल को और अधिक व्यापक एवं प्रभावी स्वरूप देते हुए जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ₹वॉश ऑन व्हील्स प्लस₹ पहल प्रारंभ की गई है।

इस पहल के माध्यम से जल जीवन मिशन अंतर्गत निर्मित पानी की टंकियों की नियमित साफ-सफाई, सिंगल विलेज स्कीम के वितरण वाल्व का रखरखाव, विद्यालयों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में स्थापित पानी की टंकियों की स्वच्छता, घरेलू नल कनेक्शन एवं नल-टोटियों की मरम्मत जैसी सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

आबकारी विभाग में 11 कर्मचारियों को पदोन्नति

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन द्वारा जारी पदोन्नति आदेश के तहत जिला आबकारी कार्यालय, छिंदवाड़ा में पदस्थ लिपिकीय एवं कार्यपालिक संवर्ग के कुल 11 कर्मचारियों को उच्च पदों पर पदोन्नति प्रदान की गई है। लिपिकीय संवर्ग में संजय सहारे को मुख्य लिपिक से सहायक अधीक्षक, श्री संजय गायकवाड एवं श्रीमती विनीता जैन को सहायक ग्रेड-2 से मुख्य लिपिक तथा श्री मनीष बंदेवार एवं श्रीमती संतोषी तिवारी को सहायक ग्रेड-3 से सहायक ग्रेड-2/लेखपाल के पद पर पदोन्नत किया गया है। इसी प्रकार कार्यपालिक संवर्ग में आबकारी आरक्षक लक्ष्मीचंद अडमाचे, जगदीश डहरवाल, श्याम कुमार शर्मा, करन इवनाती, राजकुमार यदुवंशी एवं श्रीमती अमृता साहू को पदोन्नत कर आबकारी मुख्य आरक्षक बनाया गया है।

पौधरोपण...

छिंदवाड़ा। विहिप और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने एसपी ऑफिस के पास एसपी अजय पांडेय के साथ मिलकर पौधरोपण किया। इस अवसर पर नरेंद्र पटेल, गौरव सेन सहित विहिप और बजरंग के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्राथमिक शाला बोरपानी में पदस्थ एक प्राथमिक शिक्षिका निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सतेन्द्र सिंह मरकाम द्वारा विकासखंड हर्रई की प्राथमिक शाला बोरपानी में पदस्थ प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती अंजना सर्वे की ग्रामीणों द्वारा सीएम हेल्पलाईन में की गई शिकायत की जांच में दोषी पाये जाने पर तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री मरकाम ने बताया कि जिले के जनपद शिक्षा केन्द्र हर्रई विकासखंड स्त्रोत समन्वयक द्वारा अपने पत्र 09 मार्च 2026 द्वारा लेख किया कि प्राथमिक शाला बोरपानी में पदस्थ प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती अंजना सर्वे के विरूद्ध सी.एम. हेल्पलाइन एवं ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत की जांच की गई।

जांच में पाया गया कि प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती अंजना सर्वे द्वारा बच्चों के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है, मध्यान्ह भोजन सही संचालित नहीं किया जाता है, जिसके कारण प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती सर्वे को 02 मार्च 2026 को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर स्पष्टीकरण चाहा गया। प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती सर्वे द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण संतोषप्रद नहीं पाया गया। प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती सर्वे का उक्त कृत्य कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनाता एवं स्वेच्छाचारिता को प्रदर्शित करने के साथ ही मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम (एक) (दो) (तीन) के विपरीत होकर कदाचरण की श्रेणी में आता है। इसलिये प्राथमिक शिक्षिका श्रीमती सर्वे को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियमं 9 के उपनियम (2) में दिये गये प्रावधानों के तहत निलंबित किया गया है।

अभी तक 253.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 253.8 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 299.6 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 07 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 22.9 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 07 जुलाई 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान तहसील छिंदवाड़ा में 11.84, मोहखेड़ में 150.5, तामिया में 16, अमरवाड़ा में 7.2, चौरई में 19.2, हर्रई में 9.4, बिछुआ में 5.3, परासिया में 1.3, जुन्नारदेव में 24.2 और चांद में 08 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है।

रेल समस्याओं को लेकर डीआरएम को सौंपा ज्ञापन

छात्रों, मजदूरों और यात्रियों की आवाज़ बनीं जनमांगें, मेमो ट्रेन के समय में सुधार का मिला आश्वासन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

मंगलवार 7 जुलाई को मंडल रेलवे प्रबंधक (डीआरएम) के जुन्नारदेव दौरे के दौरान क्षेत्र की लंबे समय से लंबित रेल समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया। युवा नेता रितिक नाथ चौहान ने क्षेत्रवासियों की ओर से जनहित से जुड़ा ज्ञापन सौंपते हुए विद्यार्थियों, मजदूरों और आम यात्रियों की परेशानियों से अवगत कराया।

उक्त ज्ञापन में बताया गया कि अमला—छिंदवाड़ा मेमो ट्रेन के परासिया में लंबे ठहराव के कारण कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं एवं छिंदवाड़ा में कार्यरत मजदूरों को समय पर पहुंचने में कठिनाई होती है। इस पर डीआरएम ने मेमो ट्रेन के समय में सुधार कर उसे समय पर छिंदवाड़ा पहुंचाने का आश्वासन दिया।

इसके अलावा ज्ञापन में इतवारी—छिंदवाड़ा पैसेंजर ट्रेन का विस्तार जुन्नारदेव तक करने, जुन्नारदेव—छिंदवाड़ा—नागपुर रेल सेवा शुरू करने, नागपुर—शहडोल ट्रेन का विस्तार जुन्नारदेव तक करने, रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, अमृत भारत स्टेशन योजना 2.0 के तहत बने सार्वजनिक निःशुल्क शौचालय को नियमित रूप से खोलने तथा पंचवेली एक्सप्रेस (19344) में जनरल कोच बढ़ाने की मांग प्रमुखता से रखी गई।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि इन मांगों पर अमल होता है तो जुन्नारदेव सहित आसपास के हजारों यात्रियों, विद्यार्थियों और श्रमिकों को सीधा लाभ मिलेगा। अब सभी की निगाहें रेलवे प्रशासन के आगामी निर्णय पर टिकी हैं।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मोहम्मद रफीक, प्रमोद सोमकुंवर, फिरोज खान सोमेश्वर धन्डोरे, महेंद्र वर्मा, प्रफुल्ल विश्वकर्मा, रजनीकांत चौरसिया, रूपेश विश्वकर्मा, विनोद यदुवंशी, शैलेंद्र जैन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी रेलयात्री एवं स्थानीय जन उपस्थित थे।

375 किमी धार्मिक पदयात्रा छिंदवाड़ा, सिवनी और जबलपुर के बाद कल कटनी जिले में करेगी प्रवेश

धार्मिक पदयात्रा में कई संत और पूजारी भी हो रहे शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

पूर्व कैबिनेट मंत्री और महापौरों ने की अगवानी

धार्मिक पदयात्रा के सातवें दिन पूर्व कैबिनेट मंत्री रवि करन, छिंदवाड़ा नगर निगम के महापौर विक्रम अहके, जबलपुर नगर निगम के महापौर अमरदीप सिंह, पूर्व महापौर प्रवास साहू, जबलपुर ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष राजकुमार पटेल, सांसद प्रतिनिधि संतोष पटेल, वरिष्ठ भाजपा नेता आतिश ठाकरे, बंटी सक्सेना, मनोज कुशवाह, नरेन्द्र माहोरे, जबलपुर ग्रामीण मंडल अध्यक्ष धीरज पटेल, उपाध्यक्ष आशीष शुक्ला, मनोज पटेल, महामंत्री प्रमोद पटेल, पार्षद अर्चना सिसोदिया, दिव्या पटेल, जबलपुर युवा मोर्चा के अभिषेक तिवारी, कमलेश अग्रवाल सहित बडी संख्या में भाजपा के अन्य पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समाजसेवी, वरिष्ठ नागरिकगण और ग्रामवासी व आमजन शामिल हुए।

अपनी 14 दिवसीय 375 किमी की छिंदवाड़ा से मैहर तक की धार्मिक पदयात्रा पर निकले सांसद बंटी विवेक साहू की पदयात्रा छिंदवाड़ा, सिवनी और जबलपुर के बाद अब कल 9 जुलाई को कटनी जिले में प्रवेश करेगी। सांसद बंटी विवेक साहू अपने दृढ़ संकल्प के साथ पिछले 7 दिनों में छिंदवाड़ा और सिवनी जिलों की सीमा लांघते हुए और जबलपुर में प्रवेश करके अपनी 209 किमी की धार्मिक पदयात्रा पूरी करते हुए मंगलवार की शाम जबलपुर के पाटन बायपास पहुंच गए थे। यहां पर सांसद बंटी विवेक साहू और सैंकड़ों पदयात्रियों ने रात्रि विश्राम किया। सांसद श्री साहू आज बुधवार 8 जुलाई को पाटन बायपास जबलपुर से पदयात्रा शुरू करते हुए 33 किमी की धार्मिक पदयात्रा पूरी कर शाम को जबलपुर जिले के गोसलपुर पहुंचकर रात्रि विश्राम करेंगे।

उल्लेखनीय है कि जबलपुर पहुंचने के पहले पूर्व कैबिनेट मंत्री रविकरण साहू, छिंदवाड़ा नगर निगम के महापौर विक्रम अहके, जबलपुर नगर निगम के महापौर जगत बहादुर सिंह, पूर्व महापौर प्रभात साहू, जबलपुर ग्रामीण भाजपा अध्यक्ष राजकुमार पटेल, अमरवाड़ा जनपद अध्यक्ष गणेश कंगाली सहित जबलपुर के अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं आमजनों ने सांसद बंटी विवेक साहू की अगुवानी करने के साथ ही भव्य स्वागत और अभिनंदन करते हुए पदयात्रा में शामिल हुए। सांसद श्री साहू ने अपने सैंकड़ों पदयात्रियों के साथ मंगलवार की सुबह बरगी से पदयात्रा की शुरूआत की वे इस दौरान 30 किमी पैदल चलकर देर शाम को पाटन बायपास जबलपुर पहुंचकर रात्रि विश्राम किया। सांसद बंटी विवेक साहू की धार्मिक पदयात्रा के दौरान कई संत और पूजारी भी पदयात्रा में शामिल हो रहे है।

बच्चों को आईटी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर किया जागरूक

छिन्दवाड़ा। रोटरी क्लब ऑफ द्वारा नालेज इज पावर ,₹ज्ञान ही शक्ति है₹ श्रृंखला के अंतर्गत मंगलवार को शांतिनाथ विद्या मंदिर में विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायी सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय ₹आईटी एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(ए आई) के प्रति जागरूकता₹ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रोटरी क्लब के असिस्टेंट गवर्नर रोटे विनोद तिवारी,क्लब अध्यक्ष रोटे विनित पटौदी, प्रमुख वक्ता के रूप में विषय विशेषज्ञ रोहित डेहरिया ,क्लब सचिव रोटे जयेश गुप्ता कोषाध्यक्ष रोटे अमित मक्कड,एवं सह सचिव रोटे अरविंद अग्रवाल सहित समाजसेवी आशीष पटौदी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्वप्रथम क्लब अध्यक्ष रोटे विनित पटौदी ने सभी का आत्मीय स्वागत करते हुए कहा कि रोटरी क्लब ऑफ छिंदवाड़ा द्वारा नालेज इज पावर श्रृंखला के अंतर्गत इस सत्र के शुभारंभ से आज चौथे दिन भी आज की विद्यार्थियों में महत्ती जानकारी ए आई,एवं आई टी के उपयोग और इसमें केरियर कैसे बनाएं।

मीटर कनेक्शन की राशि जमा न होने से प्रक्रिया लंबित, बिजली फिटिंग में गंभीर खामियों से हादसे का खतरा

ओवरब्रिज की स्ट्रीट लाइटें अब भी अधूरी, हैंडओवर अटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

ओवर ब्रिज पर लगाई गई स्ट्रीट लाईट के हैंड ओवर के संबंध एमपीआरडीसी विभाग ने नगर पालिका को पत्र प्रेषित किया था। जिसके जवाब में मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने विधुत विभाग के पूर्व कनिष्ठ अभियंता म.प्र.पू. क्षे.वि.वि.क.लि द्वारा प्रस्तुत 58666/- थ्री फेस विधुत मीटर स्थायी कनेक्शन की डिमाण्ड राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के खाता क्रमांक 30013862229 मे भुगतान कर इस निकाय को सुचित करने के लिए लिखा। राशि जमा होने के बाद ओव्हर ब्रिज पर लगाई गई स्टीट लाईट के हैंड ओव्हर की कार्यवाही किया जा सके ।जो आज तक नहीं की गई। जिसके कारण आज भी नवनिर्मित ब्रिज में स्टेट लाइट पूर्णतः नहीं जलती हैं। ब्रिज के ऊपर नाम मात्र कुछ लाइट जलते हैं। जिसको लेकर समय-समय पर समाचार प्रकाशित ही होते रहे हैं। उसके बाद ही एमपीआरडीसी विभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इसके साथ ही ओवर ब्रिज के निर्माण में बिजली फिटिंग में भी लापरवाही की गई।

ओवरब्रिज पर लगे स्ट्रीट लाईट के पोलों में सुरक्षा की अनदेखी की गई है। जिसके कारण कोई बड़ी दुर्घटना घट सकती है। बिजली फिटिंग में हुई अनियमितता एवं त्रुटियों के संबंध में मध्य पदेश.पू. क्षे. विद्युत वितरण कंपनी ने अनियमिताएं एवं त्रुटियां का उल्लेख करते हुए एमपी आरडीसी कंपनी एवं ठेकेदार को लिखित में सूचना देते हुएबताया कि ब्रिज पर लगाये स्ट्रीट लाईट पोल के अंदर जो केवल व ज्वाईंट में सुरक्षा का ध्यान नही रखा गया है।कही पर भी जंक्सन पाईट नहीं बनाये गये है। जिसमें लोड एक ही केवल पर आयेगा। जिससे कभी भी कोई दुर्घटना घट सकती है। निर्माण एजेंसी के द्वारा जो केवल (बिजली के तार) डाले गए है।वह एक ही सर्किट से कनेक्ट कर दी गयी है। जिससे कभी भी फाल्ट होने पर पूरी लाईट एक साथ बंद हो सकती है। व सम्पर्क में आने वाले किसी भी व्यक्ति को विद्युत आघात दे

इनका कहना हैं

नवनिर्मित ओवर ब्रिज में प्रकाश व्यवस्था को लेकर नगर पालिका सीएमओ ने एमपीआरडीसी विभाग को बार-बार पत्र प्रेषित किया गया। लेकिन एमपीआरडीसी के जिम्मेदार अधिकारी और ठेकेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। इसलिए ओवर ब्रिज स्ट्रीट लाईट के नगर पालिका के हैंड ओवर नहीं हुआ है।

रमेश सालोडे
अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव

सभापति का कहना है-ःओवर ब्रिज के निर्माण कार्य के दौरान स्टेट लाइट का प्रावधान डीपीआर में रखा गया। इसे हैंडोवर लेने के लिए नगरी प्रशासन को संबंधित विभाग का पत्र प्रेषित किया गया था। किंतु एमपीआरडीसी एवं संबंधित एजेंसी ने इस पर कोई सुधार नहीं किया।

संजय जैन
सभापति नगर पालिका परिषद जुन्नारदेव

पहली ही बारिश में बह गई करोड़ों की गुणवत्ता!

महज चार महीने में उखड़ने लगी चौरई-चांद मार्ग की सीसी सड़क, निर्माण एजेंसी और निगरानी व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चौरई

करोड़ों रुपये की लागत से तैयार की गई चौरई-चांद मार्ग की सीसी सड़क पहली ही बारिश में अपनी गुणवत्ता को लेकर कठघरे में खड़ी हो गई है। निर्माण कार्य पूरा हुए अभी महज चार महीने ही हुए हैं, लेकिन सड़क की ऊपरी सतह कई स्थानों पर उखड़ने लगी है। नई सड़क की यह स्थिति देखकर क्षेत्रवासियों में भारी नाराजगी है और निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, इस सड़क का निर्माण रीवा की उदीत इंफ्रा कंपनी द्वारा किया गया है। सड़क का उद्देश्य क्षेत्रवासियों को वर्षों तक सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा देना था, लेकिन पहली ही बरसात के बाद सड़क की परत उखड़ने लगी। इससे लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि कहीं निर्माण कार्य में गुणवत्ता से समझौता तो नहीं किया गया।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क की मौजूदा हालत निराशाजनक है। उनका सवाल है कि जब नई सड़क पहली ही बारिश नहीं झेल पा रही, तो आने वाले वर्षों में इसकी स्थिति क्या होगी। लोगों का मानना है कि मामले की केवल मरम्मत नहीं, बल्कि निर्माण कार्य की स्वतंत्र और उच्च स्तरीय तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए।क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि सड़क निर्माण में उपयोग की गई सामग्री, सीमेंट-कंक्रीट की गुणवत्ता, सड़क की मोटाई तथा निर्माण प्रक्रिया की तकनीकी जांच कराई जाए। यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही, मानकों की अनदेखी या गुणवत्ता से समझौता सामने आता है, तो संबंधित निर्माण एजेंसी के साथ-साथ कार्य की निगरानी करने वाले अधिकारियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए।

लोगों का कहना है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद यदि सड़क कुछ ही महीनों में क्षतिग्रस्त होने लगे, तो यह सरकारी धन के उपयोग और निर्माण प्रणाली दोनों पर सवाल खड़े करता है।अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि चार महीने में ही उखड़ने लगी करोड़ों की सड़क का जिम्मेदार कौन है? क्या निर्माण एजेंसी ने मानकों का पालन नहीं किया, क्या निगरानी में चूक हुई, या फिर पहली बारिश ने निर्माण की वास्तविक गुणवत्ता उजागर कर दी? इन सवालों का जवाब अब निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय होने के बाद ही सामने आएगा।

जैवविविधता के संरक्षण के लिये लगाये विभिन्न प्रजातियों के पौधे

छिंदवाड़ा । जिले की जैवविविधता को बचाने के हर व्यक्ति को कुछ न कुछ पहल करना चाहिए इस हेतु स्वंय सेवी संस्था कुकड़ा ग्राम उत्थान समिति के द्वारा उप तहसील चांद के ग्राम बेलगांव मे वृहद स्तर पर वृक्षारोपण पर्यावरण विद श्यामल राव पर्यावरण प्रेमी एवं क्रषक एस सी चौधरी ,पर्यावरण प्रेमी ,एन एस ब्रम्हे के द्वारा आम,जामुन सप्तपर्णी,गुलमोहर, जाम, इमली , मुनगा के 175 पौधों का रोपण खेत के मेड़ो पर किया जिससे की भूप्रबंधन, जलसंरक्षण, पक्षियों का भोजन ,आवास के साथ इस क्षेत्र का पर्यावरण संतुलन बना रहेगा । क्रषक ,एस सी चौधरी ने बताया की लगाये गये फलदार पौधो से हमे फल तो मिलेगा साथ ही जैवविविधता भी सुरक्षित रहेगी, वही लगाये गये 175 पोधो की पूर्ण सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड भी लगाये गये । पौधरोपण के इस अभियान को सफल बनाने मे पर्यावरण प्रेमी अर्जुन सिंह चौधरी ,विनोद गायकवाड़ का सराहनीय सहयोग रहा ।

डॉ. अपूर्वा गांवड़े ने बढाया क्षेत्र मान

सौसर। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में सौसर क्षेत्र के लिए एक अत्यंत गौरवपूर्ण खबर सामने आई है। सौसर के प्रतिष्ठित चिकित्सक दंपत्ति डॉ. राजेश गांवड़े और डॉ. भाग्यश्री गांवड़े की सुपुत्री डॉ. अपूर्वा गांवड़े ने नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंस द्वारा आयोजित फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन (**FMGE**) 2026 की परीक्षा में प्रथम प्रयास में ही सफलता का परचम लहराया है। चिकित्सा जगत की सबसे चुनौतीपूर्ण और कठिन परीक्षाओं में से एक माना जाता है, जिसमें विदेश से मेडिकल की पढ़ाई पूरी कर भारत लौटने वाले छात्रों को अपनी योग्यता सिद्ध करनी होती है। डॉ. अपूर्वा ने अपनी कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और निरंतर अध्ययन के दम पर इस कठिन बाधा को पहले ही प्रयास में पार कर लिया है। इस सफलता के साथ ही अब डॉ. अपूर्वा भारत में चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए पूरी तरह से योग्य हो गई हैं। अपनी बिटिया की इस शानदार उपलब्धि पर पिता डॉ. राजेश गांवड़े और माता डॉ. भाग्यश्री गांवड़े ने अपार खुशी व्यक्त करते हुए इसे उनकी मेहनत का परिणाम बताया है। इस सफलता ने न केवल उनके माता-पिता का सिर गर्व से ऊंचा किया है, बल्कि संपूर्ण सौसर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। डॉ. अपूर्वा की इस उपलब्धि की खबर फैलते ही सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया है। स्थानीय नागरिकों, शुभचिंतकों और चिकित्सा जगत के गणमान्य व्यक्तियों ने डॉ. अपूर्वा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया है। उनकी यह सफलता साबित करती है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी उपलब्धि हासिल करना असंभव नहीं है।

उप संचालक कृषि ने किया रेक प्वाइंट का निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार उप संचालक कृषि श्री मोरिस नाथ द्वारा मंगलवार को रेक प्वाइंट, छिंदवाड़ा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किसानों को समय पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उर्वरकों के भंडारण, परिवहन एवं वितरण व्यवस्था का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि एनएफएल कंपनी का लगभग 700 मीट्रिक टन यूरिया तथा 2000 मीट्रिक टन 20:20:0:13 उर्वरक का परिवहन सुचारू रूप से किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि उर्वरकों का सुरक्षित भंडारण एवं समयबद्ध परिवहन सुनिश्चित किया जाए, ताकि जिले के किसानों को आवश्यकतानुसार उर्वरकों की उपलब्धता में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। उप संचालक कृषि श्री नाथ ने संबंधित अधिकारियों एवं परिवहन एजेंसियों को समन्वय बनाकर कार्य करने तथा उर्वरकों के वितरण पर सतत निगरानी रखने के निर्देश भी दिए।

पेयजल आपूर्ति के बिगड़े हालात, पार्षद की अनूठी पहल

नगरवासियों को वितरित कर रहे निशुल्क दो केन पेयजल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ परासिया

नगर परिषद चांदामेटा - बुटारिया क्षेत्र में पेयजल संकट के बीच वार्ड क्रमांक 3 के पार्षद एवं भाजपा नेता तौफीक खान ने नगरवासियों की मदद के लिए अनूठी पहल शुरू की है । वे वार्ड क्रमांक 12 स्थित आरओ फिल्टर प्लांट से प्रत्येक परिवार को निशुल्क दो केन स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, रविवार को चरई डेम स्थित इंटेक वेल में लगी 150 - 150 एचपी क्षमता की दोनों मोटर पंप जल जाने से नगर की पेयजल आपूर्ति बाधित हो गई है । नगर परिषद द्वारा मोटरों की मरम्मत एवं व्यवस्था बहाल करने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है , लेकिन जलापूर्ति सामान्य होने में लगभग आठ दिन का समय लगने की संभावना है ।

इस बीच पार्षद तौफीक खान ने कहा , कि एक साथ दोनों मोटर पंपों का जल जाना जांच का विषय है । यह पता लगाया जाना चाहिए , कि यह समास्या किसकी लापरवाही के कारण बनी । हालांकि उन्होंने कहा , कि वर्तमान समय आरोप - प्रत्यारोप का नहीं , बल्कि जल संकट से जूझ रहे नगरवासियों की मदद करने का है ।उन्होंने बताया , कि वे अपनी टीम के साथ नगर के सभी वार्डों के जरूरतमंद परिवारों को निशुल्क दो - दो केन स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करा रहे हैं।

उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि जिन्हें भी पेयजल की आवश्यकता हो, वे वार्ड क्रमांक 12 स्थित एसकेवाय आरओ फिल्टर प्लांट से आकर पानी प्राप्त कर सकते हैं। पार्षद ने कहा कि जब तक नगर की पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू नहीं हो जाती, तब तक यह सेवा निरंतर जारी रहेगी, ताकि किसी भी परिवार को पीने के पानी की समस्या का सामना न करना पड़े।

जलभराव, पेयजल और अतिक्रमण पर सख्ती, वार्ड 14 से नगर सुधार अभियान की शुरुआत

चौरई। आज नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा शरद जैन अपने सहयोगियों के साथ और मुख्य नगर पालिका अधिकारी अंकिता बर्मन कर्मचारियों के साथ वार्ड नंबर 14 में पानी निकासी की समस्याओं का अवलोकन कर तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए साथ ही अन्य समस्याओं को जनमानस के बीच बैठकर सुना समझा , निराकरण हेतु निर्देशित किया नगर पालिका अध्यक्ष सतत नगर की समस्याओं का अवलोकन सभी स्तर पर कर रही हैं और निराकरण के प्रयास कर रही है उन्होंने बताया इंटकेवल अधूरा होने के कारण पेंच नदी से सीधा कांधला पानी फिल्टर प्लांट तक आ रहा है जो साफ न होने के कारण सप्लाई अवरुद्ध हुआ है , स्वच्छ पेयजल ही नगर को दिया जाए , नगर पालिका अध्यक्ष पूरे नगर पर सतत निगरानी रखते हुए आम जनमानस की सुविधा के लिए सभी कार्यों पर अपना ध्यान केंद्रित की हुई है नवागत सीएमओ अंकिता बर्मन जी अपने कर्मचारियों के साथ वार्ड के भ्रमण की रूपरेखा तैयार कर कार्य में लगी हुई है सभी के सहयोग से नगर को स्वच्छ पेयजल नगर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिए जाने हेतु कार्य किया जा रहा है बहुत ही जल्द इंटकेवल का निर्माण पूर्ण होगा साथ ही स्टेडियम ग्राउंड में इनडोर बैडमिंटन हॉल स्टेडियम ग्राउंड से लगा हुआ कम्युनिटी हाल क्रमांक 2 और वार्ड नंबर 15 में एक नया स्टेडियम ग्राउंड तैयार किया जाना है जो प्रगति पर है शीघ्र ही पूर्णता को प्राप्त कर नगर को सौप जाएगा चौरई नगर में पानी निकासी की दिशा में कार्य किया जा रहा है प्रशासन के सख्त निर्देश अतिक्रमण को लेकर भी हैं इस हेतु अतिक्रमण हटाए जाने में सिर्फ नाली से नाली तक अतिक्रमण खाली कराए जाने हेतु नगर पालिका अध्यक्ष ने निर्देशित किया है ताकि व्यापारियों के व्यापार प्रभावित न हो पाए और आवागमन अवरुद्ध न हो दुर्घटना से नगर बचे और पार्किंग के लिए जगह मिले ..इन्हीं सब बातों के साथ नगर पालिका अध्यक्ष कार्य कर रहे हैं, वार्ड नंबर 14 में अध्यक्ष जी के साथ, सी एम ओ, पूर्व उपाध्यक्ष सुकांत संजय , जितेंद्र चौरे, देवांश ठाकुर, सुमेरचंद साहू , कुणाल एवं वार्डवासी उपस्थित रहे।

वारासिवनी थाने में नवागत थाना प्रभारी अनुप कुमार उइके ने संभाला पदभार

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

वारासिवनी थाना प्रभारी पवन यादव के स्थानांतरण एवं बिदाई समारोह के बाद नवागत थाना प्रभारी अनूप कुमार उइके ने विधिवत पदभार ग्रहण कर लिया है।

पदभार संभालने के बाद उन्होंने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने तथा पीड़ितों की समस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण सुनिश्चित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि पुलिस और आमजन के बीच विश्वास एवं सहयोग का वातावरण मजबूत किया जाएगा। क्षेत्र में अवैध गतिविधियों, नशे के कारोबार, जुआ-सट्टा, साइबर फ्रॉड तथा अन्य आपराधिक गतिविधियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस बल की कमी को स्वीकारते हुए उन्होंने सीमित संसाधनों से ही पुलिस टीम को सक्रिय रखते हुए नियमित गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और जनसहभागिता के माध्यम से अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने की बात कही।नवागत थाना प्रभारी श्री उइके ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की आपराधिक या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। पुलिस प्रत्येक शिकायत पर संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करेगी और आमजन की सुरक्षा एवं न्याय सुनिश्चित करने के लिए सदैव तत्पर रहेगी।

एक साल से कागजों में कैद डक्ट पुलिया! लांजी नगर परिषद के टेंडर पर भाजपा पार्षद का हमला, टेंडर निरस्त करने की उठी मांग

हरिभूमि न्यूज लाँजी ।

नगर परिषद लांजी में विकास कार्यों के नाम पर जारी टेंडरों की हकीकत पर एक बार फिर सवाल उठ खड़े हुए हैं। भाजपा पार्षद किशोर रामटेककर ने नगर परिषद अध्यक्ष को लिखित शिकायत सौंपते हुए आरोप लगाया है कि वार्ड नं. 9 के राजारानी तालाब पर डक्ट पुलिया निर्माण के लिए लगभग एक वर्ष पहले टेंडर जारी किया गया था। यह कार्य नव्या कंस्ट्रक्शन को आवंटित हुआ, लेकिन आज तक मौके पर एक ईंट तक नहीं रखी गई। हैरानी की बात यह है कि शिकायत के अनुसार आगामी दो से तीन माह तक भी निर्माण शुरू होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। पार्षद ने सवाल उठाया है कि जब निर्माण एजेंसी समय पर कार्य ही शुरू नहीं कर पा रही है, तो आखिर ऐसा टेंडर जारी रखने का औचित्य क्या है? उन्होंने नगर परिषद अध्यक्ष से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से संबंधित टेंडर निरस्त किया जाए और नई, पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से निर्माण कार्य कराया जाए, ताकि जनता को वर्षो तक इंतजार न करना पड़े।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि राजारानी तालाब क्षेत्र में डक्ट पुलिया का निर्माण स्थानीय नागरिकों की सुविधा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसके बावजूद एक वर्ष तक काम शुरू न होना नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। विकास कार्यो के नाम पर सिर्फ कागजी कार्रवाई करना और धरातल पर कोई परिणाम दिखाई न देना आम जनता के साथ अन्याय है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि टेंडर जारी होने के बाद भी निर्माण कार्य वर्षो तक लटका रहे तो इससे सरकारी योजनाओं और प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि नगर परिषद इस शिकायत पर ठोस कार्रवाई करेगी या फिर यह मामला भी अन्य लंबित शिकायतों की तरह फाइलों में धूल फांकता रहेगा। जनता की निगाहें अब नगर परिषद प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

कलेक्टर के आदेश भी नहीं बचा सके बेवा का आशियाना, दिव्यांग बेटे संग टूटी छत के नीचे रहने को मजबूर उर्वशी

जनसुनवाई में फिर छलका दर्द, एसडीएम को दिए गए निर्देशो का पालन नहीं होने से बारिश में ढहा कच्चा मकान, 12 लाख की क्षति का दावा

हरिभूमि न्यूज लाँजी । जिला मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में मंगलवार को लांजी तहसील के ग्राम दुल्हापुर की रहने वाली उर्वशी बरगैया, उनके दिव्यांग पुत्र ईश्वर बरगैया सहित परिवार एक बार फिर न्याय की गुहार लेकर पहुंचे। आवेदकों ने आरोप लगाया कि प्रशासन के स्पष्ट निर्देशो और न्यायालय के आदेश के बावजूद आज तक उनके मकान की सुरक्षा के लिए दीवार नहीं बनाई गई। परिणामस्वरूप लगातार हो रही बारिश में उनका कच्चा मकान ढहने लगा है और पूरा परिवार जान जोखिम में डालकर उसी जर्जर घर में रहने को विवश हो गये है।

पहले भी दिए थे कलेक्टर ने निर्देश, फिर भी नहीं हुआ पालनः आवेदकों ने बताया कि इससे पहले भी वे जनसुनवाई में अपनी समस्या लेकर पहुंचे थे। उस समय कलेक्टर ने मामले को गंभीरता से लेते हुए लांजी के एसडीएम को भूमि का सीमांकन कराने तथा उर्वशी बरगैया एवं उनके दिव्यांग पुत्र की स्थिति को देखते हुए दोनों मकानों के बीच आवश्यक सुरक्षा दीवार बनवाने के निर्देश दिए थे। इसके बाद अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी ने 21 अगस्त 2025 को आदेश जारी कर स्पष्ट कहा था कि अनावेदक पहले सुरक्षा संबंधी कार्य पूरा करें, उसके बाद ही अपने मकान का निर्माण करें। साथ ही आदेश की अवहेलना करने पर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई थी। बावजूद इसके, आवेदकों का आरोप है कि आज तक आदेशों का पालन नहीं कराया गया।

अनावेदकों पर लगाए गंभीर आरोप, पानी रोकने से ढहने लगा मकानः आवेदन में सुखदेव बरगैया, उनके पुत्र नितीन बरगैया एवं अंकित बरगैया पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने अपना पुराना मकान तोड़ते समय जेसीबी से उर्वशी के मकान की दीवार भी क्षतिग्रस्त कर दी। इतना ही नहीं, मकान के पास मलबा डालकर बरसाती पानी की निकासी भी रोक दी, जिससे घर के भीतर एक से दो फीट तक पानी भर गया। लगातार पानी भरने से एक छप्पर पूरी तरह गिर चुका है और दीवारें भी एक-एक कर ढह रही हैं। आवेदकों का कहना है कि उन्हें करीब 12 लाख रुपये की आर्थिक क्षति हो चुकी है।

जनपद पंचायत अध्यक्ष सहित अन्य ग्रामीणों का ढहाया गया अतिक्रमण, आवासीय अतिक्रमणकारियों को बारिश के बाद तक राहत

बोनकट्टा गांव तालाब से- व्यावसायिक अतिक्रमण किए गए नेस्तनाबुत

हरिभूमि न्यूज कटंगी। तिरोड़ी तहसील के ग्राम बोनकट्टा में विवाद का कारण बना गांव तालाब अंततः अतिक्रमण मुक्त होने की ओर बढ़ चला है। सोमवार 6 जुलाई को विरोध के कारण बैरंग लौटी प्रशासनिक टीम ने मंगलवार 7 जुलाई को सीमांकन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद 15 व्यावसायिक अतिक्रमणों को शांतिपूर्ण तरीके से हटा दिया है। अतिक्रमण की कार्रवाई में जनपद पंचायत कटंगी अध्यक्ष कविता अरविंद देशमुख का व्यावसायिक अतिक्रमण भी जमींदोज कर दिया गया। शाम 05 बजे तक चली प्रशासनिक कार्रवाई में सभी अतिक्रमण नेस्तानाबूत कर दिये गए। इस दौरान न तो कोई हंगामा हुआ और न ही पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। जब जनपद अध्यक्ष का अतिक्रमण हटाने का प्रशासनिक अधिकारियों से भरोसा मिला तो अतिक्रमणकारियों ने भी प्रशासन को सहयोग किया। यह कार्रवाई उस पृष्ठभूमि में हुई है जब पिछले एक महीने से बोनकट्टा का तालाब सुर्खियों में था। ग्रामीणों का आरोप था कि तालाब की सरकारी जमीन पर बड़े पैमाने पर अवैध कब्जे हो रहे थे ग्राम पंचायत और प्रशासन आंख मूंदे बैठा था। राजस्व अभिलेखों के अनुसार ग्राम बोनकट्टा में पटवारी हल्का नंबर 17, खसरा नंबर 217 में स्थित गांव तालाब का कुल रकबा 13 एकड़ 80 डिसमिल है। यह तालाब गांव के जल संग्रहण का प्रमुख स्रोत है। लेकिन बीते 10-15 वर्षों में तालाब की पर और जलभराव वाले क्षेत्र पर धीरे-धीरे अवैध कब्जे शुरू हो गए थे। तालाब की भूमि पर करीब 50 लोगों ने आवासीय और व्यावसायिक अतिक्रमण कर रखा था। इनमें कुछ मकान 50 साल पुराने हैं, जो पीढ़ियों से बने हुए हैं। वहीं पिछले 3-4 वर्षों में व्यावसायिक दुकानें, गुमटियां और अस्थायी निर्माण भी तेजी से बढ़ रहे थे। सबसे गंभीर बात यह है कि कुछ लोगों ने तालाब के उस हिस्से पर भी कब्जा करना शुरू कर दिया था जहां बारिश का पानी जमा होता था। इसी कारण पिछले मानसून में गांव में जलभराव की समस्या बन गई थी।

ग्राम सभा के प्रस्ताव से शुरू हुई कार्रवाई: अतिक्रमण बढ़ने से परेशान ग्रामीणों ने पंचायत पर दबाव बनाना शुरू किया। इसके बाद ग्राम पंचायत बोनकट्टा में ग्राम सभा की बैठक बुलाई गई। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर तहसीलदार तिरोड़ी कार्यालय में अतिक्रमण हटाने का आवेदन दिया गया। आवेदन मिलते ही राजस्व विभाग हरकत में आया। पटवारी और राजस्व निरीक्षक ने मौके पर जाकर नजरी सर्वे किया। सर्वे में तालाब की पार पर कुल 27 अवैध आवासीय और व्यावसायिक अतिक्रमण चिन्हित किए गए। 15 जून को सभी 27 अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर 17 जुलाई तक स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। लेकिन 22 जून को तहसीलदार गीता राहंगडाले ने एक नई सूची जारी की। इसमें सिर्फ 13 लोगों को 29 जून तक अतिक्रमण हटाने का अंतिम नोटिस दिया गया। सूची से 14 नाम हटा दिए गए। तहसीलदार का तर्क था कि जिन 14 लोगों के आवासीय मकान हैं, उन्हें बारिश के मौसम को देखते हुए राहत दी जा रही है। उन्हें मानसून के बाद हटाया जाएगा। बस यहीं से मामला बिगड़ गया था और गांव के लोग दो गुटों में बंट गए। जिन्हें नोटिस मिला था वह इसे भेदभावपूर्ण कार्रवाई बता रहे थे। उनका कहना था कि जब अतिक्रमण सबने किया है तो कार्रवाई भी सब पर हो। वहीं कुछ ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जनपद पंचायत अध्यक्ष कविता अरविंद देशमुख ने भी तालाब की जमीन पर कब्जा कर रखा है, लेकिन उन्हें नोटिस नहीं दिया गया। मामला क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी तक पहुंचा। 28 जून को 13 अतिक्रमणकारी विधायक से मिले और राहत की मांग की। विधायक ने प्रशासन से बात कर उन्हें अतिरिक्त 7 दिन का समय दिलवाया था।

6 जुलाई को विरोध, 7 जुलाई को कार्रवाई': 6 जुलाई सोमवार को तहसीलदार गीता राहंगडाले पुलिस बल और दो जेसीबी मशीन लेकर अतिक्रमण हटाने पहुंचीं। लेकिन पूर्व सांसद बोधसिंह भगत और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष नीरज हीरावत ग्रामीणों के साथ मौके पर पहुंच गए। सुबह 9 बजे से ही पूर्व सांसद गांव में डटे थे। पूर्व सांसद ने प्रशासन के सामने दो मांगें रखीं। पहली, कार्रवाई में भेदभाव न हो। दूसरी, पहले पूरे तालाब का सीमांकन कराया जाए, उसके बाद सभी तरह के अतिक्रमण हटाए जाएं। उन्होंने कहा कि बिना सीमांकन के चुनिंदा लोगों पर कार्रवाई करना अन्याय है। विरोध इतना प्रबल था कि शाम 5 बजे तक प्रशासन कुछ नहीं कर सका। तहसीलदार ने तिरोड़ी थाने से अतिरिक्त बल भी मंगाया, लेकिन स्थिति को देखते हुए टीम को वापस लौटना पड़ा। ग्रामीणों के विरोध को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत कदम उठाया। सोमवार शाम 5 बजे से ही पटवारी दल ने तालाब का सीमांकन शुरू कर दिया। सीमांकन के दौरान यह भी सामने आया कि जनपद पंचायत अध्यक्ष कविता अरविंद देशमुख का भी तालाब की भूमि पर अतिक्रमण है। इसे भी चिन्हित कर लिया गया। सीमांकन पूरा होने के बाद प्रशासन ने तय किया कि अब कोई भेदभाव नहीं होगा। पहले चरण में व्यावसायिक अतिक्रमण हटाए जाएंगे और आवासीय मकानों को बारिश के बाद हटाने की कार्रवाई होगी।

7 जुलाई को शांतिपूर्ण तरीके से तोड़े गए अतिक्रमण: मंगलवार 7 जुलाई को सुबह तहसीलदार गीता राहंगडाले, नायब तहसीलदार पी.एल. साडया, थाना प्रभारी रूद्र मिश्रा के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस की संयुक्त टीम पोकलेन और जेसीबी मशीन के साथ बोनकट्टा पहुंची। सोमवार के विरोध के बाद एहतियात के तौर पर बालाघाट पुलिस लाइन से अतिरिक्त पुलिस बल भी बुलाया गया था। लेकिन इस बार माहौल पूरी तरह शांत था। सीमांकन हो जाने और प्रशासन के स्पष्ट रुख के बाद अतिक्रमणकारियों ने खुद ही सहयोग किया। शाम 04 बजे तक 15 व्यावसायिक अतिक्रमण पूरी तरह हटा दिए गए। इनमें दुकानें, गुमटियां और अस्थायी शेड शामिल थे। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अभी 13 आवासीय अतिक्रमणकारियों को बारिश के कारण राहत दी गई है। मानसून समाप्त होने के बाद उनका भी सीमांकन के आधारb पर हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

इनका कहना है-

पहले चरण में सभी व्यावसायिक अवैध अतिक्रमण हटा दिए गए है। आवासीय अतिक्रमणकारियों को बारिश के बाद तक का समय दिया गया है। विधिवत कार्रवाई की गई ग्रामीणों का सहयोग मिला तो शांतिपूर्ण तरीके से अतिक्रमण हटाया गया।

गीता राहंगडाले, तहसीलदार तिरोड़ी

खबर संक्षेप

8वीं से स्नातक एवं आईटीआई उत्तीर्ण युवा कर सकेंगे सहभागिता

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार जिला प्रशासन, जिला रोजगार कार्यालय सिवनी, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा शासकीय आईटीआई सिवनी के संयुक्त तत्वावधान में युवा संगम कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार 15 जुलाई 2026 को प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, सिवनी में जिला स्तरीय रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जाएगा।

दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान का तीसरा चरण 13 जुलाई से

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के साथ ही पशुपालकों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलाई जा रही है। इसी कड़ी में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दुग्ध समृद्धि संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। इसके अंतर्गत पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी पशुपालकों के घर पहुंचेंगे और नस्ल सुधार, पशु पोषण, टीकाकरण एवं सेक्स सॉर्टेड सीमेन के बारे में जानकारी देंगे। तीसरे चरण में 3 से 4 पशु (गौवंश एवं भैंसवंश) रखने वाले पशुपालकों के यहां प्रशिक्षित विभागीय अमले द्वारा घर जाकर भेंट की जाएगी। नस्ल सुधार, पशु पोषण एवं पशु स्वास्थ्य विषय पर जागरुक किया जाएगा।

दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान की तैयारियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक लेकर 14 जुलाई से प्रारंभ होने वाले दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को पूरी गंभीरता, समन्वय एवं समयबद्धता के साथ संचालित किया जाए, ताकि जिले का कोई भी पात्र बच्चा स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित न रहे। कलेक्टर श्रीमती मीना ने कहा कि बरसात के मौसम में बच्चों में दस्त, कुपोषण, निमोनिया सहित अन्य बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है। ऐसे में मैदानी अमले की सक्रियता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने निर्देश दिए कि एएनएम, आशा एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की संयुक्त टीम निर्धारित कार्ययोजना के अनुसार प्रत्येक घर तक पहुंचे और पांच वर्ष तक के सभी बच्चों की अनिवार्य रूप से स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने गंभीर कुपोषित, बीमार अथवा चिकित्सकीय जटिलता वाले बच्चों की पहचान होते ही उन्हें तत्काल निकटतम स्वास्थ्य संस्थान अथवा पोषण पुनर्वास केंद्र तक रेफर कर उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

स्थानांतरण के 20 दिन बाद भी कई पटवारियों को कार्यमुक्ति नहीं, राजस्व कार्य प्रभावित

सिवनी। प्रदेश सरकार की स्थानांतरण नीति के तहत 15 जून को जारी आदेशों के लगभग 20 दिन बाद भी जिले के कई स्थानांतरित पटवारियों को कार्यमुक्त नहीं किया गया है।

इससे नई और पुरानी दोनों तहसीलों में राजस्व कार्य प्रभावित हो रहे हैं तथा आम नागरिकों को नामांतरण, सीमांकन, फसल गिरदावरी, ऋण पुस्तिका सहित अन्य कार्यों के लिए परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। 7 जानकारी के अनुसार, स्थानांतरण आदेश जारी होने के बावजूद कई पटवारी अभी तक अपने नए पदस्थापन स्थल पर कार्यभार ग्रहण नहीं कर सके हैं। इस कारण राजस्व व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित नहीं हो पा रही है और ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोगों की समस्याएं बढ़ रही हैं।

इस संबंध में तहसील स्तर के अधिकारियों का कहना है कि कई मामलों में रिलीवर (प्रतिस्थापन) समय पर उपलब्ध नहीं होने के कारण कार्यमुक्ति में विलंब हुआ है। अधिकारियों के अनुसार, नए पटवारी के कार्यभार ग्रहण करने के बाद ही संबंधित पटवारी को कार्यमुक्त किया जा सकता है। रिलीवर उपलब्ध होते ही सभी लंबित प्रकरणों का निराकरण किया जाएगा।

प्रशासन से जल्द समाधान की मांग

स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि स्थानांतरण प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कराई जाए ताकि राजस्व कार्य सामान्य रूप से संचालित हो सकें और लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया की अध्यक्षता में नगर पालिका का साधारण सम्मिलन हुआ सम्पन्न

नगर विकास हेतु 39 करोड़ रूपये के निर्माण कार्य, नगर सौंदर्यीकरण कार्य सहित अन्य उपयोगी सामग्री क्रय करने हेतु 117 में से 115 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए

सिवनी। नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया की अध्यक्षता में नगरपालिका परिषद सिवनी में प्रातः 11 बजे से साधारण सम्मिलन आयोजित किया गया जिसमें नगर सौंदर्यीकरण विकास कार्य अन्य निर्माण कार्य के लगभग 39 करोड़ रूपये के विभिन्न प्रस्तावों एवं नागरिकों की अन्य मूलभूत समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए नगर पालिका परिषद सिवनी हेतु उपयोगी सामग्री क्रय करने संबंधी विषयों को एजेंडे में सम्मिलित किया जाकर कुल 117 प्रस्ताव बैठक में चर्चा हेतु परिषद के समक्ष रखे गये जिसमें सभी सदस्यों द्वारा चर्चा उपरांत 115 प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये। विदित होवे कि नगर पालिका नगर पालिका परिषद सिवनी के साधारण सम्मिलन में बाहुबली चौक का नाम परिवर्तन कर श्यामा प्रसाद मुखर्जी चौक] नेत्रपाल पेट्रोल पम्प से बबरिया मार्ग का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग एवं मालू गार्डन का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क के नाम से नामकरण किया गया। नागरिकों की मूलभूत समस्या अग्नि से सुरक्षा एवं पेयजल सप्लाई हेतु एक नग मिनी फायर वाहन जिसकी कीमत लगभग 26 लाख रूपये उक्त वाहन क्रय करने का प्रस्ताव बैठक में सर्वसम्मति से पारित हुआ।

शहर की सफाई व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हेतु एक नग जेसीबी वाहन जिसकी कीमत करीब 25 लाख रूपये उक्त वाहन क्रय करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ।

नगर सौंदर्यीकरण को ध्यान में रखते हुए वार्डों में सीसी रोड निर्माण कार्य नाला एवं नालियों का निर्माण कार्य नगरीय क्षेत्र के समस्त गार्डनों में सौंदर्यीकरण कार्य सहित विभिन्न प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये। बैठक में निकाय के पार्षदगण मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं निकाय के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कान्हीवाड़ा स्कूल में '0.2 क्लिक साइबर सुरक्षा अभियान' संपन्न, छात्र-छात्राओं को सिखाए सुरक्षा के गुर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों पर लगाम लगाने और युवाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में पुलिस अधीक्षक कृष्ण लाल चंदानी के निर्देशन में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कान्हीवाड़ा में 0.2 क्लिक साइबर सुरक्षा अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को साइबर ठगों से बचने और सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

थाना प्रभारी और स्टॉफ ने दी साइबर सुरक्षा की सीख कार्यक्रम में मुख्य रूप से पहुंचे कान्हीवाड़ा थाना प्रभारी संतोष पंद्रे एवं सब-इंस्पेक्टर अंकित 3 अम अंकिता जैन ने विद्यार्थियों को वर्तमान में हो रहे नए-नए तरीकों के साइबर फ्रॉड से अवगत कराया।

अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं को समझाया कि कैसे मात्र एक गलत क्लिक या अनजानी लिंक आपके बैंक खाते और निजी डेटा को नुकसान पहुंचा सकती है। उन्होंने बच्चों को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, मजबूत पासवर्ड रखने और अनजान वीडियो कॉल व मैसेज से दूरी बनाए रखने की सलाह दी।

पुलिस टीम द्वारा दी गई मुख्य नसीहतेंअनजान लिंक पर न करें क्लिक

किसी भी लुभावने ऑफर, लॉटरी या अनजान लिंक पर क्लिक करने से बचें।

ओटीपी और पासवर्ड रखें गुप्त

अपना बैंक ओटीपी, यूपीआई पिन या सोशल मीडिया पासवर्ड कभी किसी के साथ साझा न करें। साइबर हेल्पलाइन 1930 किसी भी प्रकार की साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं।

थाना प्रभारी संतोष पंद्रे का संदेश

आज के समय में तकनीक जितनी उपयोगी है, उतनी ही खतरनाक भी हो सकती है। आपकी थोड़ी सी सतर्कता आपको और आपके परिवार को बड़ी ठगी से बचा सकती है। छात्र-छात्राएं खुद भी जागरूक बनें और अपने घर-परिवार के बड़ों को भी इसके प्रति सचेत करें।

इस अभियान के दौरान विद्यालयटी के प्राचार्य, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे, जिन्होंने पुलिस टीम के इस प्रयास की सराहना की और भविष्य में सतर्क रहने का संकल्प लिया।

दुनिया का सबसे महंगा मियाजाकी आम मां महाकाली के चरणों में अर्पित, पौनारकलां के किसान ने की अनोखी पहल

बरघाट/सिवनी। सिवनी जिले के बरघाट विकासखंड अंतर्गत ग्राम पौनारकलां के किसान धनसिंह राहंगडाले ने अपने बगीचे में उगाए गए दुनिया के सबसे महंगे माने जाने वाले मियाजाकी आम का पहला पका हुआ फल ग्राम आष्टा स्थित मां महाकाली मंदिर में अर्पित किया। परिवार के साथ मंदिर पहुंचकर उन्होंने आम का भोग लगाकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

किसान धनसिंह राहंगडाले ने बताया कि उन्होंने करीब दो वर्ष पूर्व जापान की प्रसिद्ध मियाजाकी किस्म का पौधा प्रायोगिक रूप से लगाया था। उद्देश्य यह जानना था कि क्षेत्र की जलवायु में यह दुर्लभ किस्म सफलतापूर्वक विकसित हो सकती है या नहीं। अब पहली बार पेड़ पर फल आने के बाद उन्होंने परंपरा के अनुसार पहला फल मां महाकाली को समर्पित किया। मियाजाकी आम जापान के मियाजाकी क्षेत्र की प्रसिद्ध किस्म है, जिसे रेड गोल्ड भी कहा जाता है। पकने पर इसका रंग गहरा लाल या बैंगनी हो जाता है तथा यह अपनी अत्यधिक मिठास, सुगंध, मलाईदार गूदे और पोषक तत्वों के लिए जाना जाता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत लगभग 2 से 3 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक बताई जाती है, जबकि एक फल की कीमत 80 हजार से 1 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। किसान की इस पहल ने क्षेत्र में उत्सुकता का माहौल बना दिया है। यदि यह प्रयोग सफल रहता है, तो भविष्य में सिवनी जिले के किसान भी उच्च मूल्य वाली इस विदेशी आम की खेती की ओर कदम बढ़ा सकते हैं।

नजूल निवर्तन समिति की बैठक में भूमि आवंटन प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नजूल निवर्तन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा शासकीय भवनों, संस्थागत अधोसंरचना तथा जनहित से जुड़े विकास कार्यों के लिए प्रस्तुत नजूल भूमि आवंटन संबंधी प्रस्तावों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान कलेक्टर श्रीमती मीना ने जल संसाधन विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर विभागवार चर्चा की। उन्होंने प्रत्येक प्रस्तावित स्थल की उपलब्धता, उपयोगिता, आवश्यकतानुसार भूमि की उपयुक्तता तथा संबंधित विभागों की आवश्यकता का परीक्षण करते हुए अधिकारियों से आवश्यक जानकारी प्राप्त की।

कलेक्टर श्रीमती मीना ने निर्देश दिए कि जिन विभागों के प्रस्तावों को सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई है, वे निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार आवश्यक औपचारिकताएं शीघ्र पूर्ण करें, ताकि जनहित से जुड़े निर्माण एवं विकास कार्य समयबद्ध रूप से प्रारंभ किए जा सकें। उन्होंने यह भी कहा कि शासकीय भूमि का उपयोग पूरी पारदर्शिता एवं नियमानुसार किया जाए तथा भूमि आवंटन से जुड़े सभी प्रकरणों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में परीक्षण उपरांत उपयुक्त पाए गए विभिन्न प्रस्तावों को समिति द्वारा सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की गई। इससे संबंधित विभागों के भवन निर्माण एवं अन्य विकास कार्यों को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त होगा। बैठक में संबंधित विभागों के जिला अधिकारी, राजस्व विभाग के अनुविभागीय अधिकारी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खाली मैदान बना तालाब आसपास के रहवासी क्षेत्र में बीमारी फैलने का खतरा

छपाराः- नगर परिषद क्षेत्र के महाराणा प्रताप वॉर्ड अंतर्गत जामा मस्जिद कॉलोनी के पास स्थित खाली मैदान में अमृत 02 योजना अंतर्गत पेयजल प्रदाय हेतु विगत दो माह पूर्व गर्मी में डाली गई पाइपलाइन की वजह से खाली मैदान के पानी निकासी हेतु जो नाली में एक पुलिया वह बंद हो जाने से पानी का बहाव रुक गया है जिस वार्ड क्रमांक 12 जमा मस्जिद कॉलोनी क्षेत्र में विगत चार पांच दिनों से जल भराव की स्थिति बनी हुई है।

यही खाली मैदान अब तालाब में तब्दील हो गया है जिससे जल जनित रोगों की संभावना बढ़ गई है,साथ ही वहां से गुजरने वाले लोगों को जहरीले जीव जंतु का खतरा बढ़ गया है साथ ही यदि लंबे समय तक पानी भरा रहता है तो आसपास के लोगों को मच्छर मक्खी के संक्रमण से कोई नहीं बचा सकता। वहीं क्षेत्र के लोगों ने इसको लेकर नगर परिषद के वार्ड प्रभारी को अवगत भी कराया गया किंतु उनके द्वारा भी इस मसले को लेकर ध्यान नहीं दिया गया। वहीं क्षेत्र के लोगों ने परिषद के जिम्मेदार अधिकारीयों से अपील कि है कि इस मामले पर ध्यान देते हुए समस्या से निजात दिलाई जाएं।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों को दिया नशामुक्ति का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिवनी।

शासकीय महाविद्यालय बरघाट में सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए आयोजित तीन दिवसीय दीक्षारंभ कार्यक्रम के अंतर्गत नशामुक्ति जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. बी.एल. इनवाती के संरक्षण एवं मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए स्वस्थ, अनुशासित एवं जिम्मेदार जीवन के लिए प्रेरित करना था।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. पंकज गहरवार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि युवा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं। यदि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई से स्वयं को दूर रखते हुए शिक्षा, संस्कार, अनुशासन और सेवा की भावना को अपनाएं, तो वे परिवार, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नशामुक्त भारत अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।

प्रवेश प्रभारी प्रो. छत्रपाल सिंह जाटव ने कहा कि महाविद्यालय जीवन केवल डिग्री प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की आधारशिला है। विद्यार्थियों को स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर सकारात्मक सोच, कड़ी मेहनत और अनुशासित जीवनशैली अपनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि नशा सफलता के मार्ग में सबसे बड़ी बाधा है, इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को इससे दूर रहकर अपने सपनों को साकार करने का संकल्प लेना चाहिए।

अब तक जिले में 234.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज, आज 28.9 मिमी हुई बारिश

हरिभूमि न्यूज सिवनी।जिले में मानसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। 01 जून से 06 जुलाई 2026 तक जिले में कुल 234.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। सोमवार को जिले में 28.9 मिमी औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई, जिससे किसानों के साथ-साथ आमजन को भी राहत मिली है। भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय द्वारा जारी दैनिक वर्षा प्रतिवेदन के अनुसार 06 जुलाई को बरघाट तहसील में सर्वाधिक 98.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई। इसके अतिरिक्त लखनादौन में 40.1 मिमी, कुरई में 37.0 मिमी, सिवनी में 24.5 मिमी, छपारा में 15.5 मिमी, घंसौर में 8.0 मिमी, केवलारी में 6.0 मिमी तथा धनौरा में 2.0 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। 01 जून से अब तक की संचयी वर्षा में बरघाट 329.7 मिमी के साथ जिले में सबसे आगे है। इसके बाद सिवनी में 297.6 मिमी, लखनादौन में 291.0 मिमी, केवलारी में 287.2 मिमी, कुरई में 186.0 मिमी, छपारा में 180.5 मिमी, धनौरा में 177.0 मिमी तथा घंसौर में 122.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष अब तक जिले में वर्षा कम रही है। वर्ष 2025 में 01 जून से 06 जुलाई तक 352.2 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी, जबकि इस वर्ष यह आंकड़ा 234.3 मिमी है। पिछले वर्ष तहसीलवार वर्षा में सिवनी में 259.4 मिमी, कुरई में 65.0 मिमी, बरघाट में 130.9 मिमी, केवलारी में 467.8 मिमी, छपारा में 437.6 मिमी, लखनादौन में 398.6 मिमी, धनौरा में 399.4 मिमी तथा घंसौर में 639.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी।

15 करोड़ी वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट बना शोपीसः बारिश में कीचड़ और गर्मी में सूखा झेल रहा लखनादौन, गुर्दा बांध के भरोसे कब तक ?

हरिभूमि न्यूज छब्बी लाल कमलेशिया लखनादौन। जल ही जीवन है– यह नारा हम सब बचपन से दीवारों पर लिखा देखते आ रहे हैं, लेकिन नगर परिषद लखनादौन के नागरिकों के लिए यह जीवन इन दिनों संकट में है। रहीम दास जी ने सदियों पहले लिखा था रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून...। लखनादौन में आज यह कहावत पूरी तरह चरितार्थ हो रही है। यहाँ पानी के बिना सब कुछ 'सून' यानी वीरान होने की कगार पर पहुंच चुका है। इन दिनों नगर के घरों में नलों से साफ पानी के बजाय कीचड़युक्त और मटमैला पानी सप्लाई हो रहा है।

हैरानी की बात यह है कि नगर की प्यास बुझाने के लिए शासन ने 15 करोड़ रुपयों की भारी-भरकम लागत से 3 एमएलडी क्षमता का अत्याधुनिक वाटर ट्रीटमेंट प्लांट तैयार करवाया था। लेकिन वर्तमान में नगर परिषद के लचर प्रबंधन और तकनीकी लापरवाही के चलते यह प्लांट महज एक सफेद हाथी साबित हो रहा है, और जनता बीमारियों को आमंत्रण देने दूषित पानी को पीने पर विवश है।

गौरतलब है कि लखनादौन नगर की पूरी आबादी पेयजल के लिए एकमात्र स्रोत 'गुर्दा बांध' पर निर्भर है। यह बांध पूरी तरह से बारिश के पानी से भरता है। वर्तमान में बारिश का दौर शुरू होते ही बांध में मिट्टी और गाद बहकर आ रही है, जिससे मुख्य जल स्रोत का पानी अत्यधिक गंदा और मटमैला हो चुका है।

ऐसे मौसम में वाटर ट्रीटमेंट प्लांट की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है, जहां पानी को पूरी तरह फिल्टर और केमिकल ट्रीटमेंट के बाद ही सप्लाई किया जाना चाहिए। लेकिन लखनादौन में फिल्टर प्लांट से बिना साफ हुए ही गंदा पानी सीधे नागरिकों के घरों तक भेजा जा रहा है।

लखनादौन की पेयजल समस्या सिर्फ बारिश के मटमैले पानी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका भूगोल और भी डरावना है। पूरी तरह वर्षा जल पर निर्भर गुर्दा बांध में गर्मी के दिनों में जलस्तर इस कदर गिर जाता है कि बांध पूरी तरह सूखने की कगार पर पहुंच जाता है। अप्रैल से जून के महीनों में शहर में पानी के लिए त्राहि-त्राहि मच जाती है और तब सही मायनों में जनता को रहिमन पानी सब सून का दर्द सहना पड़ता है।

विडंबना देखिए कि एक तरफ अरबों-करोड़ों की योजनाएं कागजों पर तैरती हैं, लेकिन लखनादौन के इस 'एकमात्र जल स्रोत' के सूखने का आज तक कोई स्थाई समाधान नहीं निकाला जा सका है। न तो गर्मी के दिनों में बांध के गहरीकरण पर काम किया गया ताकि उसकी जलभराव क्षमता बढ़ सके, और न ही किसी दूसरी बड़ी नदी या परियोजना से जोड़कर कोई वैकल्पिक व्यवस्था तैयार की गई। नतीजा यह है कि जनता गर्मी में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसती है और बारिश में कीचड़ पीने को मजबूर है। ऐसे में 'जल ही जीवन है' का नारा लखनादौन की जनता के लिए सिर्फ एक क्रूर मजाक बनकर रह गया है।

सूत्रों की मानें तो इस 15 करोड़ी प्लांट को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिस कुशल तकनीकी स्टाफ जैसे केमिस्ट और अनुभवी ऑपरेटर की आवश्यकता होती है... इसकी भारी कमी है। नगर परिषद द्वारा कथित तौर पर अप्रशिक्षित कर्मचारियों के भरोसे इतने संवेदनशील प्लांट का संचालन कराया जा रहा है। इसके अलावा, बारिश के दिनों में पानी साफ करने के लिए लगने वाली फिटकरी और ब्लीचिंग पाउडर की सही डोजिंग नहीं की जा रही है। फिल्टर बेड की नियमित सफाई न होने के कारण प्लांट खुद कचरा उगल रहा है।

जुलाई के इस महीने में दूषित और बैक्टीरिया युक्त पानी की सप्लाई से पूरे लखनादौन क्षेत्र में डायरिया, पीलिया, उल्टी-दस्त और टाइफाइड जैसी जलजनित महामारियों का खतरा तेजी से मंडराने लगा है। सबसे बड़ा सवाल जनस्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पर भी उठता है, जिसको जिला और ब्लॉक स्तरीय लैबोरेट्रीज को समय-समय पर पानी के सैंपल की जांच करनी चाहिए। आखिर पीएचई विभाग मूकदर्शक बनकर नगर परिषद की इस लापरवाही को हरी झंडी क्यों दे रहा है? जब इस बारे में हमारे संवाददाता द्वारा PHE के एसडीओ से संपर्क करने की कोशिश की तो उन्होंने फोन नहीं उठाया

बिसेन मल्टीस्पेशालिटी हॉस्पिटल
उत्तम चिकित्सा, बेहतर जीवन
जांच
• सी.टी. स्कैन • एम.आर.आई.
• डिजिटल एक्स-रे • पैथोलॉजी • T.M.T.
• 2-D इको (E.C.G.) • ई.ई.जी.
जनरल मेडिसिन
• डायबिटीज (शुगर) • हृदय रोग
• हाई ब्लड प्रेशर • थायराइड, लीवर
• किडनी • हड्डी एवं जोड़ रोग • न्यूरोलॉजी
• स्त्री रोग एवं प्रसूति सेवा • बाल रोग
• त्वचा रोग
24 घंटे 7 दिन ICU सुविधा उपलब्ध
विशेषज्ञ डॉक्टर:- डॉ. जागृति बिसेन (मेडिसिन), डॉ. लोकेश बिसेन (जनरल सर्जरी), डॉ. अविनाश कांबले (ऑर्थोपेडिक), डॉ. अन्या वर्मा (स्त्री रोग एवं प्रसूति), डॉ. अभिषेक गाधिया (बाल रोग), डॉ. पुलदेश बघेल (एनेस्थेसिया)
संपर्क करें : 6266248010, 9174594814 पता : बावरिया रोड 12 पत्थर, जिला सिवनी (म. प्र.)

सेक्ट कम्प्यूटर एकेडमी
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र. शासन) से सम्बद्ध
शासकीय नौकरियों के लिए एक वर्षीय कम्प्यूटर डिप्लोमा अनिवार्य
कोर्स फीस किस्तों में भुगतान की सुविधा
DCA 1 वर्षीय डिप्लोमा 2 सेमेस्टर योग्यता 12 वी (किसी भी विषय में)
PGDCA 1 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा 2 सेमेस्टर योग्यता स्नातक (किसी भी विषय में)
BCA 3 वर्षीय स्नातक डिग्री 6 सेमेस्टर योग्यता 12 वी (किसी भी विषय में)
M.SC. (CS) 2 वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री 4 सेमेस्टर योग्यता स्नातक (किसी भी विषय में)
LEARN GREAT SKILLS FOR A BETTER CAREER
प्रवेश प्रारंभ
C++ I JAVA | PYTHON / AD-EXCEL | FULL- STACK
एस.पी. बंगलो रोड, बारापत्थर, सिवनी (म.प्र.) संपर्क: 9183500282, 9183505478, 8821090909, 9993465882

प्रवेश प्रारंभ डी.पी. चतुर्वेदी विज्ञान, वाणिज्य, कला एवं शिक्षा महाविद्यालय
College Code – P554 बारापत्थर, सिवनी (म.प्र.) NAAC Accredited
पाठ्यक्रम
B.Sc., B.Com., B.A., M.Sc. (Phy, Chem, Maths), M.Com, B.Ed., D.El.Ed., G.N.M.
नोट
Major, Minor, Vocstion, MDC पर कैरियर गाइडेंस
संपर्क 07692.226635, 9479887990, 9098355136, 9752264388, 8770294939, 7746838590

राधिका टाउन फेस 2
बुकिंग प्रारंभ प्लाट उपलब्ध
ओपनिंग दिनांक 16 जून 2026
80%
ज्यारत नाका जिला-सिवनी
9407055151, 9183655151

किसान गर्जना संगठन' ने रैली निकाल एसडीएम कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

खाद के बढ़े दामों पर भड़का किसानों का आक्रोश, निकाली रैली

चुनाव में रू3100 धान का भाव देने का वादा करने वाली सरकार ने दाम दोगुने कर किसानों की कमर तोड़ी, 15 दिनों में मांगें पूरी न होने पर सोसायटियों में तालाबंदी की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

मध्य प्रदेश शासन द्वारा खाद की कीमतों में की गई बेतहाशा वृद्धि और धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल न दिए जाने के विरोध में सोमवार को 'किसान गर्जना संगठन' के बैनर तले सैकड़ों किसानों ने वारासिवनी की सड़कों पर उतरकर उग्र प्रदर्शन किया।

नगर के रेस्ट हाउस के सामने से शुरू हुई यह विस्तृत आक्रोश रैली नेहरू चौक जय स्तंभ चौक होते हुए अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) कार्यालय पहुंची, जहां किसानों ने शासन की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। एसडीएम की अनुपस्थिति में तहसीलदार को मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि 15 दिनों के भीतर बढ़े हुए दाम वापस नहीं लिए गए, तो पूरे प्रदेश की सहकारी समितियों में तालाबंदी कर जेल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा।

घोषणापत्र के वादे भूल गई सरकारः अरविंद चौधरी

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे किसान गर्जना संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद चौधरी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने बालाघाट जिले से उठी इस आवाज को हल्के में लेने की भूल की है। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए गए थे कि किसानों को धान का मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल दिया जाएगा, लेकिन आज तक किसानों को उनका हक नहीं मिला। इसके विपरीत, अब 50 किलो खाद की बोरी पर 600 रुपये से लेकर 1450 रुपये तक की ऐतिहासिक बढ़ोतरी कर दी गई है। जो खाद 1350 रुपये में मिलती थी उसे 2450 रुपये और 1100 रुपये वाली बोरी को 2150 रुपये में बेचा जा रहा है। सरकार किसानों की आय दोगुनी करने का दावा करती है, लेकिन हकीकत में उन्हें कर्ज के दलदल में धकेला जा रहा है। यह पूरी तरह से किसान विरोधी नीति है।

ब्लैक मार्केटिंग और जटिल ऑनलाइन टोकन व्यवस्था से किसान बेहाल रामकुमार नगपुरे

संगठन के जिला अध्यक्ष रामकुमार नगपुरे ने स्थानीय सोसायटियों की अव्यवस्था पर आक्रोश जताते हुए कहा कि वर्तमान खरीफ सीजन में किसानों को सोयाबीन बीज (सोड़ा) और आवश्यक खाद समय पर नहीं मिल पा रही है। सोसायटियों में खाद की ब्लैक मार्केटिंग चल रही है और जो खाद मिल भी रही है, वह दोगुने दामों पर दी जा रही है। उन्होंने कहा कि एक पांच एकड़ वाले आम किसान की सालभर की मेहनत के बाद बमुश्किल 50 हजार रुपये की बचत होती थी, जिसे अब खाद कंपनियां लूट लेंगी। ऊपर से नया ऑनलाइन 'टोकन सिस्टम' थोपकर किसानों को और परेशान किया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली और इंटरनेट न रहने से किसान दिनभर कतारों में खड़े रहते हैं। हमारी मांग है कि इस जटिल टोकन व्यवस्था को तुरंत बंद कर पुरानी अंगूठा व पर्ची आधारित सरल वितरण प्रक्रिया लागू की जाए।

15 तारीख से सोसायटियों में तालाबंदी और चक्काजाम का ऐलान

किसान नेताओं ने संयुक्त रूप से ऐलान किया कि आगामी 15 तारीख से जिले की सभी 86 सहकारी समितियों (सोसायटियों) में चरणबद्ध तरीके से किसान जाकर विरोध प्रदर्शन दर्ज कराएंगे। इसके बाद भी यदि खाद की बढ़ी हुई दरें वापस नहीं होती हैं, तो हर गांव और चौक-चौराहे पर चक्काजाम कर आर्थिक नाकेबंदी की जाएगी।

सौपे गए ज्ञापन में किसानों और संगठन द्वारा सरकार के समक्ष निम्नलिखित प्रमुख मांगें रखी गई हैः 1. खाद के बढ़े हुए दाम तत्काल प्रभाव से वापस लिए जाएं। 2. किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद पुराने दामों पर उपलब्ध कराई जाए। 3. खाद की कालाबारी एवं कृत्रिम कमी पर तत्काल रोक लगाई जाए तथा दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। 4. कृषि लागत कम करने के लिए विशेष राहत पैकेज लागू किया जाए। 5. किसानों से जुड़े सभी निर्णय किसान संगठनों से चर्चा के बाद ही लिए जाएं।

122 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए

जनसुनवाई में सुनी गईं आवेदकों की समस्याएँ

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई की श्रृंखला में 07 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री डीपी बर्मन, डिप्टी कलेक्टर श्री राहुल नायक, श्री एमआर कोल तथा एसडीएम श्री गोपाल सोनी ने आवेदकों की समस्याएँ सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को उनके निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में 122 आवेदक अपनी समस्याएँ लेकर पहुँचे।

जनसुनवाई में बालाघाट तहसील के ग्राम पंचायत घनसुआ अंतर्गत ग्राम ओदा के ग्रामीण बिजली आपूर्ति ठप होने की शिकायत लेकर आये थे। उनका कहना था कि ग्राम ओदा में पुरानी 11 केवी लाइन जंगल और नाले से होकर गुजरने के कारण हर वर्ष बारिश में बिजली आपूर्ति की समस्या उत्पन्न होती है। जिसके कारण ग्राम के विद्यार्थियों, किसानों और आम नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पडता है। अतः 11 केवी लाइन को घनसुआ–ओदा मार्ग के किनारे से स्थानांतरित किया जाए। इस प्रकरण में एमपीईबी के अधीक्षण यंत्री को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

वारासिवनी के दुर्गेश देव्हारे सिविल अस्पताल वारासिवनी में किए गए बिजली एवं नल फिटिंग-रिपेयरिंग कार्य की मजदूरी का भुगतान एक वर्ष से नही किये जाने की शिकायत लेकर आये थे। दुर्गेश का कहना था कि उसने सिविल अस्पताल वारासिवनी में नल फिटिंग रिपेयरिंग का कार्य किया था जिसका भुगतान उसे अब तक नही किया गया है। दुर्गेश ने बताया कि उसकी आर्थिक परिस्थिति ठीक नही है, जिस वजह से परिवार का भरण-पोषण और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। अतः शीघ्र कार्य का भुगतान किया जाए। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

ग्राम आवलाझरी निवासी सुरेश पिछोडे पानी की निकासी का नाला अवैध रूप से बंद किए जाने की शिकायत लेकर आये थे। सुरेश का कहना था कि उसके खेत के पानी की निकासी जिस नाले से हो रही थी उसे पुरी तरह बंद कर दिया गया है, जिसके कारण खेतों में जलभराव हो गया है और फसल बर्बाद होने की स्थिति में पहुंच गई है। अतः नाले से अवैध भराव हटाकर नाले का प्राकृतिक प्रवाह तत्काल बहाल कराया जाए। इस प्रकरण में एसडीएम बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गए है।

बालाघाट तहसील अंतर्गत ग्राम कन्हडगांव की टीना मांद्रे सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में प्रवेश दिलाने की मांग लेकर आयी थी। टीना ने बताया कि उसने पहले अंग्रेजी माध्यम से पढाई की है और आगे भी उसी माध्यम में अध्ययन करना चाहती है। उसका वर्ष 2025-26 का परीक्षा परिणाम बहुत अच्छा रहा है, और वह अब सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में प्रवेश लेना चाहती है, किंतु प्रवेश लेने में देरी होने की वजह से उसे प्रवेश नही दिया जा रहा। इस प्रकरण में सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य को आवश्यक कार्यवाही करने कहा गया है।

जनपद पंचायत किरनापुर में सामान्य प्रशासन की हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

जनपद पंचायत किरनापुर की सभा कक्ष में सामान्य प्रशासन समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें विकासखंड के समस्त विभागों के अधिकारी, कर्मचारीयों कीउपस्थित रहें। यह बैठक जनपद पंचायत के अध्यक्ष राणा कल्याण सिंह ,उपाध्यक्ष भुवनभाऊ राहंगडाले की अध्यक्षता में यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती ममता कुलस्तेके नेतृत्व में आयोजित की गईइस बैठक में स्वास्थ्य विभाग, आजीविका विभाग, राजस्व विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग ओर भी अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारीयों उपस्थित रहेबैठक में बीडीसी रेखलाल बिसेन जनपद सदस्य द्वारा सदन में सालेटेका से दिगोधा मार्ग को लेकर मुद्दा उठाया गया उस मार्ग पर किसानों एवं स्कूलों के बच्चों का आना-जाना लगा रहता है। व शासन प्रशासन से मांग की है। अगर इस मार्ग को नहीं बनाया गया तो किसानों एवं बच्चों के साथ उग्र आंदोलन करने तैयार रहेंगे ।वहीं जनपद सदस्य श्रीमती छोटी बाई घासीराम कन्नौजे बोरुंदा कला ने बताया कि बोरुंदा कला में सचिव के स्थानांतरण होने पर रोजगार सहायक लक्ष्मीकांत टेटे को सचिव का प्रभार दिया जाए। जिससे पंचायत का कार्यकाल सुचारू रूप से संचालन किया जा सके। और भी अन्य कई मुद्दों पर चर्चा की गई। इस बैठक में मुकेश सिंह चौहान जनपद सदस्य एवं बस एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष , मनीष भिमटे जनपद सदस्य, रेखा लाल बिसेन ,संतोष चौधरी, असीम चौहान, शंकर उपवंशी और भी अन्य जनपद सदस्य एवं अधिकारी गण व सब इंजीनियर उपस्थित रहे इस कार्यक्रम का संचालन बी सी सोनेकर के द्वारा किया गया।

गैस से भरे गहरे कुएं में गिरने से महिला की मौत

जान जोखिम में डालकर SDERF ने निकाला शव

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। जिले के रजेगांव चौकी क्षेत्र में कल देर सायं को एक दर्दनाक हादसे में करीब 50 फीट गहरे गैसयुक्त कुएं में गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही जिला होमगार्ड कार्यालय से एसडीईआरएफ (SDERF) और क्यूआरटी (QRT) की टीम मौके पर पहुंची और विषम परिस्थितियों के बीच जोखिम भरा रेस्क्यू अभियान चलाकर महिला का शव बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार, सोमवार देर शाम को जिला कंट्रोल रूम को महिला के कुएं में गिरने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही जिला होमगार्ड कार्यालय से SDERF एवं QRT टीम आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों और सुरक्षा संसाधनों के साथ तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

मौके पर पहुंचने के बाद टीम ने पाया कि करीब 50 फीट गहरे कुएं में जहरीली गैस भरी हुई थी। गैस की मौजूदगी के कारण रेस्क्यू अभियान बेहद चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा हो गया। इसके बावजूद टीम ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए विशेष उपकरणों की मदद से अभियान शुरू किया।

रेस्क्यू दल के जवानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर कुएं में प्रवेश किया और करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद शाम लगभग 7 बजे महिला का शव सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इसके बाद शव को आवश्यक वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।स

जहरीली गैस से भरे गहरे कुएं में विषम परिस्थितियों के बावजूद SDERF और QRT टीम ने सफलतापूर्वक रेस्क्यू अभियान पूरा किया। स्थानीय लोगों ने टीम की तत्परता, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उनके प्रयासों को सराहनीय बताया।

सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की कलेक्टर ने समक्ष में की सुनवाई

200 दिनों से अधिक की लंबित शिकायतों का त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने मंगलवार 07 जुलाई को 200 दिनों से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी प्रकरणों का शीघ्र एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से जुड़ी शिकायतों की समक्ष में सुनवाई की गई। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप, सिविल सर्जन डॉ. निलय जैन, खाद्य आपूर्ति अधिकारी संत कुमार भलावी, अन्य विभागीय अधिकारी एवं शिकायतकर्ता मौजूद थे।

सुनवाई के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने शिकायतकर्ताओं एवं विभागीय अधिकारियों से प्रत्येक प्रकरण की वस्तुस्थिति की जानकारी ली। बालाघाट तहसील निवासी शीतल रनगिरी की संबल योजना के तहत प्रसूति सहायता राशि नहीं मिलने की शिकायत पर जांच में सामने आया कि पोर्टल पर हितग्राही की जानकारी दर्ज नहीं होने से भुगतान लंबित है। इस पर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी कर शीघ्र भुगतान कराने के निर्देश दिए। इसी तरह बालाघाट निवासी कुंवरलाल मुंजारे द्वारा नसबंदी ऑपरेशन के बाद प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने की शिकायत की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत होने के बाद भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर दी जाएगी। वहीं, किरनापुर निवासी अंशुल भीमटे की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रक्त जांच रिपोर्ट नहीं मिलने की शिकायत पर अधिकारियों ने बताया कि रिपोर्ट उपलब्ध करा दी गई है और शिकायत बंद करने की कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से संबंधित मामलों में खैरलांजी तहसील के ग्राम भजियादण्ड निवासी अनुपचंद भगत की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन नहीं मिलने की शिकायत पर कलेक्टर ने खाद्य आपूर्ति अधिकारी को तत्काल कार्यवाही कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।

महिला एवं बाल सुरक्षा को लेकर जिला स्तरीय समितियों की संयुक्त बैठक संपन्न

बालाघाट। कलेक्टर श्री मृणाल मीना की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला समन्वय समिति, शक्ति सदन, जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, संरक्षण, पुनर्वास तथा बाल अधिकारों से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री डी.के. सुन्द्रियाल, वन स्टॉप सेंटर की प्रमुख रचना चौधरी सहित महिला एवं बाल विकास, पुलिस, स्वास्थ्य, शिक्षा, श्रम विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

समीक्षा के दौरान शक्ति सदन के संचालन, लाभार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, पुनर्वास सेवाओं तथा आवश्यक संसाधनों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित सहायता, कानूनी एवं मनोसामाजिक परामर्श तथा पुनर्वास व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल तस्करी की रोकथाम, गुमशुदा एवं लापता बच्चों की खोज तथा बाल संरक्षण से जुड़े मामलों में विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय एवं समयबद्ध कार्रवाई की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने गुमशुदा बच्चों के संबंध में भी विस्तृत जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाल अधिकारों एवं महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में पूरी संवेदनशीलता, गंभीरता और तत्परता के साथ कार्य किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस प्रकार के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। कलेक्टर ने सभी विभागों से महिला एवं बाल सुरक्षा के क्षेत्र में समन्वित प्रयासों को और अधिक सशक्त बनाने, जनजागरूकता गतिविधियों का विस्तार करने तथा संवेदनशील मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

नागपुर में बाबा ताज के 104वें सालाना उर्स में बालाघाट जिले से भी शामिल होंगे हजारों जायरीन

8 जुलाई से 19 जुलाई तक चलेगा 12 दिवसीय भव्य धार्मिक आयोजन

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। महान सूफी संत हजरत बाबा सैयद मोहम्मद ताजुद्दीन रहमतुल्लाह अलैह के 104वें सालाना उर्स शरीफ का आयोजन 8 जुलाई से 19 जुलाई 2026 तक नागपुर स्थित ताजबाग शरीफ में भव्य एवं धार्मिक गरिमा के साथ आयोजित किया जाएगा। इस 12 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय धार्मिक आयोजन में देश-विदेश से लाखों अकीदतमंदों के शामिल होने की संभावना है। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी बालाघाट जिले सहित गोंदिया, भंडारा, सिवनी, छिंदवाड़ा, जबलपुर, रायपुर, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्रप्रदेश तथा अन्य राज्यों से हजारों जायरीन बाबा ताज की दरगाह पर हाजिरी देने नागपुर पहुंचेंगे।

उर्स की शुरुआत 8 जुलाई को सुबह पारंपरिक परचम कुशाई (ध्वजारोहण) से होगी। यह रस्म सज्जादानशीन हजरत सैयद युसुफ इकबाल ताजी की सरपरस्ती एवं श्रीमंत पंचम राजे रघुजी राव भोंसले की अध्यक्षता में संपन्न होगी। उल्लेखनीय है कि पिछले 104 वर्षों से परचम कुशाई की यह ऐतिहासिक परंपरा भोंसले परिवार द्वारा निभाई जा रही है। उसी रात अंतरराष्ट्रीय सूफी कॉन्फ्रेंस आयोजित होगी, जिसमें अमीर-ए-शरीयत मुफ्ती अब्दुल कादिर साहब, हजरत मौलाना खुर्शीद आलम खान ताजी, मौलाना सैयद अली तथा मुस्तफा कादरी मुशावी साहब (हैदराबाद) सहित अनेक प्रतिष्ठित उलेमा एवं इस्लामी विद्वान उपस्थित रहेंगे।

9 जुलाई को मिलाद शरीफ एवं तकरीर का आयोजन होगा, जिसमें मौलाना मोहम्मद अहमद नक्शबंदी (हैदराबाद) अपने विचार रखेंगे। 10 जुलाई को मिलाद शरीफ के साथ अंतरराष्ट्रीय कव्वाली का आयोजन किया जाएगा। 11 जुलाई को प्रसिद्ध कव्वाल मुस्तफा नाज़ा कव्वाल (मुंबई) अपनी शानदार सूफियाना प्रस्तुति देंगे।

12 जुलाई को दरबार का भव्य शाही संदल निकाला जाएगा। इसी दिन मिलाद शरीफ एवं अंतरराष्ट्रीय कव्वाली में मशहूर कव्वाल रईस अनीस साबरी अपनी प्रस्तुति देंगे। आयोजन समिति के अनुसार इस दिन लगभग दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं के ताजबाग शरीफ पहुंचने की संभावना है।

13 जुलाई को सुबह छोटा कुल शरीफ अदा किया जाएगा तथा रात्रि में अंतरराष्ट्रीय नातिया मुशायरा एवं कव्वाली का आयोजन होगा। 14 जुलाई को मिलाद एवं तकरीर कार्यक्रम में सैयद अमीनुल कादरी (मालेगांव) तकरीर फरमाएंगे। 15 जुलाई को बड़ा कुल शरीफ, मिलाद तथा बॉलीवुड सूफी गायक

सलमान अली की विशेष प्रस्तुति होगी। 16 जुलाई को प्रसिद्ध इस्लामी विद्वान मुफ्ती सलमान अजहरी (मुंबई) तकरीर फरमाएंगे।

17 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय मुशायरे का आयोजन होगा, जिसमें देश-विदेश के शायर अपनी रचनाओं से महफिल सजाएंगे। 18 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय कव्वाली में प्रसिद्ध कव्वाल अल्तमश फरीदी अपनी प्रस्तुति देंगे। वहीं 19 जुलाई को महफिल-ए-शमा, सैयद आलमगीर असलम साहब के खिताब एवं सामूहिक दुआ के साथ उर्स का समापन होगा।

पूरे उर्स के दौरान प्रतिदिन कुरआनख्वानी, जिक्र, फातिहा, विशेष दुआ, मिलाद शरीफ, नातिया मुशायरा, तकरीर तथा सूफियाना कव्वाली जैसे आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों का उद्देश्य बाबा ताजुद्दीन के प्रेम, इंसानियत, भाईचारे और सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है।

उर्स को सफल बनाने में हजरत बाबा ताज ट्रस्ट के चेयरमैन प्यारे मियां खान, वाइस चेयरमैन डॉ. सुरेन्द्र जिचकर, सचिव ताज अहमद अली राजा, ट्रस्टी हाजी फारुख जिकर बावला, मुस्तफा भाई टोपीवाला, खादिम इमरान ताजी, गजेन्द्र पाल सिंह तोहिबा सहित सभी ट्रस्टी एवं स्वयंसेवक सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। ताजबाग शरीफ परिसर को आकर्षक रोशनी एवं भव्य सजावट से सजाया जा रहा है। बारिश के मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं के लिए विशेष शेड एवं जल निकासी की व्यवस्था भी की गई है।

श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु ट्रस्ट द्वारा आवास, पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा, पार्किंग तथा यातायात प्रबंधन के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है। पूरे परिसर में सैकड़ों सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं तथा नागपुर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं नगर निगम के सहयोग से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाया गया है।

आयोजन समिति के अनुसार पूरे उर्स के दौरान पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के नागपुर पहुंचने का अनुमान है। श्रद्धालु बाबा ताज की दरगाह पर चादर एवं फूल पेश कर देश में अमन, भाईचारा, खुशहाली और तरक्की की दुआ करेंगे। ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे दान एवं नजराना केवल अधिकृत ट्रस्ट के माध्यम से ही जमा करें तथा आयोजन के दौरान अनुशासन बनाए रखें।

जिले में बीते 24 घंटे में 16 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 1 जून से 07 जुलाई 2026 तक कुल 296 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 300 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वार्षिक वर्षा 1447 मिलीमीटर निर्धारित है। जिले में 01 जून से 07 जुलाई तक 340 मिलीमीटर वर्षा हो जाना चाहिए ।

कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 07 जुलाई को प्रातः 8 बजे समाप्त हुए पिछले 24 घंटों के दौरान जिले में 16 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 3 मिलीमीटर, वारासिवनी में 6 मिलीमीटर, बैहर में 34 मिलीमीटर, लांजी में 11 मिलीमीटर, कटंगी में 8 मिलीमीटर, किरनापुर में 40 मिलीमीटर, खैरलांजी में 4 मिलीमीटर, लालबर्रा में 5 मिलीमीटर, बिरसा में 36 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 25 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 00 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

चालू वर्ष में 01 जून से 07 जुलाई 2026 तक सबसे अधिक 423 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 170 मिलीमीटर वर्षा बिरसा तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 404 मिलीमीटर, बैहर में 401 मिलीमीटर, लांजी में 280 मिलीमीटर, कटंगी में 245 मिलीमीटर, किरनापुर में 388 मिलीमीटर, खैरलांजी में 143 मिलीमीटर, लालबर्रा में 284 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 259 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 251 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है।

//नाम परिवर्तन सूचना//

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि मै शपथकर्ता ZAMEER KHAN S/O RAFEEQ KHAN, निवासी WARD NO. 04 NURI MASJID KE PASS BAIHAR CHOUK BALAGHAT है। मेरे दस्तावेजो में मेरा नाम MO. ZAMEER KHAN S/O ABDUL RAFIK KHAN है। अतः मुझे मेरे दस्तावेजो के नाम से ही जाना व पहचाना जावे।

सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट
ADMISSION OPEN 2026-27
ENGINEERING | PHARMACY | AGRICULTURE
POLYTECHNIC | • D. PHARMACY | • B.Sc. (Hons.)Ag.
B.TECH | M.TECH | • B. PHARMACY | • B.Tech (Agri) Engg.
Part Time/Full Time | • M. PHARMACY | • M.Sc. (Ag.)
ABM
LAW • B.A. LL.B. • LL.B. • LL.M.
छात्रवृत्ति SC/ST/OBC
कैम्पस : वारासिवनी रोड, डोंगरिया, बालाघाट (म.प्र.) | 9174192111, 9174202111